बाबूजी की रोटी

बाबूजी कभी रिटायर नहीं हुए। सरकारी दफ्तर से हुए होंगे, लेकिन घर-गृहस्थी के दफ्तर में तो आज भी वही पहलें निपटा रहे हैं– दूध लाना, सब्जी तौलना, किराने का हिसाब रखना, बिजली का बिल भरना, और बीच-बीच में पड़ोसियों के बच्चों को जीवन के 'अनमोल ज्ञान' बाँटना। वह ज्ञान, जिसे सुनकर बच्चे भी मोबाइल के स्क्रीन में मुँह गाड़ने का बहाना खोज लेते हैं। घर में उनकी स्थिति वही थी जो पुराने जमाने की एल्बम की होती है– कोई देखता नहीं, लेकिन फेंकता भी नहीं। रिटायरमेंट के बाद बाबूजी को परिवार में ठीक उसी तरह रखा गया, जैसे शादी के खाने में बचे हुए गुलाब जामुन– सबको पता होता है कि पड़े हैं, लेकिन कोई पूछता नहीं। बाबूजी, आप आराम कीजिए! यह वाक्य बहू-बेटे के प्रेम से अधिक, उन्हें किनारे करने की प्रशासनिक कार्यवाही लगती थी। बेटा प्रमोशन पाकर बिजी हो गया, बहू ऑनलाइन शॉपिंग में व्यस्त थी और पोते-पोतियाँ इंस्टाग्राम पर स्वदेशी संस्कृति की बातें कर रहे थे। इस बीच बाबूजी अचार के मर्तबान खोलकर पुराने दिनों को सूँघते रहते थे। एक दिन बाबूजी ने ऐलान कर दिया, आज से अपनी रोटी खुद बनाऊँगा! यह सुनते ही घर में वही माहौल बन गया जो सरकार के नए बजट सुनने के बाद जनता में बनता है– चुप्पी, चिंता और कटाक्ष! बहू ने पानी पीते-पीते हिचकी ली, बेटा अखबार के पीछे छुप गया और पोती ने गूगल पर सर्च किया– रिटायर्ड लोग मानसिक संतुलन क्यों खोते हैं? दादीजी ने समझाने की कोशिश की, अरे, खाना तो बना बनाया मिलेगा, तुम क्यों तकलीफ कर रहे हो? बाबूजी ने मुस्कराकर जवाब दिया, बिटिया, अब हमें तकलीफ नहीं होती, तकलीफ सहने की आदत हो गई है! बाबूजी ने किचन में कदम रखा, तो स्लैब सिलेंडर भी सहम गया। तवा देख केतली से कानाफूसी करने लगा– अबे, आज तेरा बुरा वक्त आ गया! आटा गूंथने बैठे तो ऐसा लगा मानो बैलगाड़ी के पहिए बना रहे हों। रोटी गोल करने चले तो मानो महाद्वीपों के नक्शे बना रहे थे– कोई अफ्रीका, कोई ऑस्ट्रेलिया और कोई सीधा अंटार्कटिका! बहू हँसी दबाए बिना रह नहीं सकी, बाबूजी, इसे रोटी कहते हैं या अर्जेंता की गुफाएँ? लेकिन बाबूजी मुस्कराए, बेटी, कला तो पहचानने वाली आँखों में होती है! रोटी किसी तरह सिक कर प्लेट में पहुँची। बाबूजी ने पहला कौर मुँह में डाला, तो आँखों में वही चमक आ गई, जो कभी पहली सैलरी मिलने पर आई थी। बहू-बेटे को अचानक अहसास हुआ कि उनकी थाली में जो चपाती सजी है, उसके पीछे बाबूजी के जवानी के संघर्ष छुपे हैं। कितनी बार बिना खाए ऑफिस गए होंगे? कितनी बार बच्चों को खिलाकर खुद सिर्फ अचार से काम चलाया होगा? बेटा धीरे से उठा और बाबूजी के पास जाकर बैठ गया। बहू ने भी प्लेट सरका दी, बाबूजी, हमें भी सीखाइए न! बाबूजी ने हल्की मुस्कान के साथ बेटा-बहू की ओर देखा और तवा उठाकर गैस पर रख दिया। किचन में पहली बार चूल्हे की आंच से 'यादा गर्माहट रिश्तों में महसूस हुई। कुछ देर बाद तवे पर पहली सही-सलामत गोल रोटी सिक रही थी और बाबूजी ने राहत की साँस ली– चलो, घर में आत्मनिर्भरता की शुरुआत हो गई!

सूर्य को अर्घ्य देकर मनाया हिन्दु नववर्ष, माथे पर लगाया कुमकुम तिलक, पिलाया नीम का शरबत

सरस्वती शिशु मंदिर ने घंटाघर पर गुड़ी पूजन कर राहगीरों को लगाया तिलक, दी शुभकामनाएं

जावरा। चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से हिन्दु नववर्ष प्रारंभ हुआ। हिंदू नववर्ष के साथ चैत्र नवरात्र शुरू हुए। इस दौरान अलग-अलग दिन मां दुर्गा के 09 रूपों की पूजा होती हैं। रविवार को नववर्ष का स्वागत सुबह साढ़े 5 बजे सूर्य भगवान को अर्घ्य देकर किया गया। राहगीरों को कुमकुम तिलक लगाए गए, नीम व मिश्री का शरबत भी पिलाया गया। चैत्र नवरात्रि के अवसर पर क्षैत्र के सभी माता मंदिरों पर घट स्थानाएं हुई, साथ ही मंदिरों पर विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान भी होंगे। मंदिरों में प्रतिदिन महाआरती भी होगी। चैत्र प्रतिपदा के अवसर पर जैन समाज ने भी नववर्ष के अवसर पर स्वामीवात्सल्य आयोजित हुए। आचार्य हेमेन्द्रसूरि अनुयाईयों ने दादावाड़ी पर नववर्ष मनाया तो आचार्य जयंन्तसेन सुरिश्वर अनुयाईयों ने रोजाना में नववर्ष पर स्वामीवात्सल्य आयोजित किया।

जागनाथ महादेव मंदिर पर भाविप ने किया सूर्य जल अर्पण

भारत विकास परिषद शाखा जावरा द्वारा चेत्र नवरात्रि नव वर्ष के उपलक्ष में जगन्नाथ महादेव मंदिर पर भगवान सूर्य देव को अर्ध्य देकर उनकी पहली किरण के साथ सभी ने जल अर्पित कर नगर में सुख शांति और समृद्धि की कामना की, इस अवसर पर बड़ी संख्या में नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। वैदिक मंत्रोच्चार लोकेश शर्मा द्वारा किया गया। बाद में जागनाथ महादेव की महाआरती की गई। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में अतुल मेहता पूर्व पार्षद आशीष गंगवाल व्यापारी थे कार्यक्रम का संचालन लोकेश शर्मा यश जैन ने किया देवेंद्र भारद्वाज ने आभार व्यक्त किया कार्यक्रम संयोजक नितेश धनोतिया संस्था अध्यक्ष डॉ राजेंद्र त्रिवेदी ने ने स्वच्छता एवं राष्ट्रभक्ति की शपथ दिलाई शंकर लाल जी पाटीदार शिवेंद्र माथुर दीपक साधु अंजनी नंदन उपाध्याय सुधीर शर्मा सुनील तिवारी संतोष मेड़तवाल शीतल चोरडिया रजत सोनी शेखर नाहर मनोज अग्रवाल मामा दिनेश सिसोदिया रितु सिसोदिया दिनेश भावसार दिनेश सुराणा मनोज पांचाल वैभव राका उमेश अरोड़ा अमित मोदी सौरभ अरोरा प्रकाश अरोड़ा दीपक गर्ग मनीष त्रिवेदी आदि उपस्थित थे

सूर्य अर्घ्य देकर घंटाघर चौराहे पर किया गुड़ी पूजन

सरस्वती शिशु मंदिर ने नव वर्ष गुड़ी पड़वा के अवसर पर प्रातः काल पहाड़िया रोड़ स्थित सरस्वती पुरम विद्यालय पर सूर्य को अर्ध्य देकर नववर्ष का शुभारंभ किया। नवीन भगवा ध्वज की पूजा करके उसे लगाया गया। ध्वज की पूजा समिति व्यवस्थापक तन्मय सोनी ने की, इसके पश्चात शहर के हृदय स्थल घंटाघर चौराहे पर हिंदू नववर्ष गुड़ी पाडवा के तहत चौराहे पर गुड़ी बनाकर उसकी पूजन कर चौराहे से गुजरने वाले राहगीरों को कुमकुम तिलक लगाकर नववर्ष की बधाई दी। इस अवसर सचिव तन्मय सोनी, सहसचिव लोकेश शर्मा, उपाध्यक्ष राधेश्याम पोरवाल, कोषाध्यक्ष शीतल चोरड़िया, अनिल पावेचा, प्राचार्य रेनू बाला शर्मा सहित विद्यालय के सभी शिक्षकगण व समिति सदस्य मौजूद रहे।

50 सालों से पिला रहे नीम का शरबत

समीपस्थ ग्राम भूतेड़ा में स्वर्गीय रामचन्द्र शर्मा शिक्षक ने गांव में हिन्दू नव वर्ष के उपलक्ष्य में गाँव मे निम के पानी का वितरण व मस्तक पर तिलक लगाने की परम्परा स्थापित की थी। आज भी उनके पौत्र लोकेश शर्मा इस परंपरा को बनाये हुवे हैं। हमारी परम्पराए हमारी विरासत हैं इसलिए इसे बनाये रखना बहुत आवश्यक हैं। नव सवंत्सर के अवसर पर युवाओं को बताते है कि अपना विक्रम संवत् ही अपना नया साल हैं। जब ब्रह्माण्ड से लेकर सूर्य चाँद की दिशा, प्रकृति में मौसम, पेड़ पौधों की नई पत्तिया, किसान की नई फसल, विद्यार्थी की नई कक्षा, मनुष्य में नया रक्त संचरण आदि परिवर्तन होते है, वही सच्चा नववर्ष हैं। जो विज्ञान आधारित भी हैं, आओ जागे जगायें, भारतीय संस्कृति अपनाएं और आगे बढ़े।

सेमलिया तीर्थ पर नौ दिवसीय मेला शुरु

अन्नपूर्णा शक्ति पीठ सेमलिया पहाड़ी पर प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी चैत्र नवरात्रि के अवसर पर विशाल सांस्कृतिक एवं धार्मिक मेला प्रारंभ हुआ। ट्रस्ट अध्यक्ष संतोष मेहतवाल (एडवोकेट) ने बताया कि 1008 स्वामी महामंडलेश्वर मधुसूदानानंद गिरी महाराज के द्वारा चार वर्षों से चल रहे अखंड महायज्ञ अनवरत जारी हैं। नौ दिवसीय मेले के दौरान अवध के कलाकारों द्वारा लगातार 9 दिन तक रामायण का आयोजन रामलीला के द्वारा किया जावेगा। वहीं नौ दिनों तक हवन में आहूति प्रदान की जाएगी, वहीं प्रतिदिन भंडारे का भी आयोजन जारी रहेगा। ट्रस्ट पदाधिकारियों ने अधिक से अधिक की संख्या में शामिल होने का अनुरोध किया हैं।

श्री मंशापूर्ण मंदिर पर हुई घट स्थापना

चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर श्री मंशापूर्ण हनुमान मंदिर स्थित मां कालीका माता की प्रातः 9 बजे घट स्थापना की गई। नवरात्रि के नौ दिनों तक रात्रि 8 बजे महिलाओं द्वारा गरबा खेला जाएगा, रामनवमी पर मंदिर परिसर में हवन किया जाएगा और कन्याओं को भोज कराया जाएगा, मंदिर समिति निवेदन करती है कि सभी भक्त पधारकर का धर्म का लाभ लेवे

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने मनाया नववर्ष प्रतिपदा

जावरा। डॉक्टर हेडगेवार का जीवन संकल्प लेकर राष्ट्र के प्रति समर्पित रहा हैं। जिन्होंने बीज के रूप में रहकर एक बड़ा वट वृक्ष खड़ा कर दिया। यह विचार विभाग प्रचारक कृष्णकांत पाण्डेय ने भारतीय नववर्ष युगाब्द 5127, विक्रम संवत् 2082, शक संवत् 1947 के नववर्ष प्रतिपदा उत्सव के दौरान बौद्धिक में रखे। पाण्डेय ने कहा कि सनातनी को जाति में विभाजित न होकर समाज कल्याण का काम करना चाहिए। महापुरुष सभी के होते है इनका बटवारा नहीं करना चाहिए। संकल्प का कोई विकल्प नहीं होता है संकल्प में विकल्प ढूँढने पर वह सार्थक नहीं हो पाता हैं। भारतीय परम्परा अनुसार वेश भूषा, भाषा, भवन, भजन, अपनी संस्कृति के आधार पर हो नाम करण भारतीय संस्कृति के अनुसार हो साथ ही पाँच प्रण का पालन हो जैसे सामाजिक समरसता, पर्यावरण, कुटुम्ब प्रबोधन, स्व का भाव तथा नागरिक कर्तव्य हैं। इस दौरान नगर संघ चालक धर्मेन्द्रसिंह सिसौदिया भी मंचासीन रहे।

संघमाता रोशनबाई लुक्कड़ का निधन

जावरा। शहर के लुक्कड़ परिवार की वयोवद्ध संघमाता रोशनबाई स्व. जीतमल लुक्कड़ का शनिवार को निधन हो गया। स्व. लुक्कड़ स्व. कालुराम लुक्कड़, स्व. राजमल लुक्कड़ की भाभी मदनलाल, सुरेशचंद, अजय कुमार की काकी, विजयकुमार, प्रदीपकुमार की बड़ी माताजी, एवं स्व. सुभाषचंद्र लुक्कड की माता थी। अंतिम यात्रा शनिवार को उनके निवास स्थान पहाड़िया रोड़ से निकली, अंतिम संस्कार आनंदी हनुमान मंदिर पर हुआ। मुखाग्नि पूत्र सुरेशचंद, अशोककुमार, अनिलकुमार के साथ पौत्र नितिन, राजीव, अंकित, रौनक, दीपक एवं परपौत्र जय, हीरव, अनंत, वासु, विहान ने दी। शहर के गणमान्य नागरिकों व समाजजनों ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। संघमाता लुक्कड़ का उठावना आज सुबह 10:30 बजे 4 बंगला पहाड़िया रोड़ पर रखा गया हैं।

14 अप्रैल को धुमधाम से मनेगी डॉ आम्बेडकर की जन्मजयंति

जावरा। डॉ. भीमराव अंबेडकर जन्मोत्सव समिती जावरा द्वारा अम्बेडकर पार्क कोर्ट परिसर जावरा में अम्बेडकर साहब की 134 वीं जयंति 14 अप्रेल 2025 को मनाने के संबंध में बेठक का आयोजन किया गया। समिति अध्यक्ष अंबाराम सिसोनिया ने बताया की समिती द्वारा यह निर्णय लिया गया की जन्मजयंति पर प्रातः 11 बजे रैली का आयोजन किया जावेगा। जो गीता भवन चौराहे से प्रारंभ होकर शहर के सभी प्रमुख मार्गो से होकर कोर्ट परिसर पहुंचेगी। जहां बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जाएगा। वहीं सभा का भी आयोजन होगा। जिसमें अतिथियों द्वारा सम्बोधित किया जाएगा। बैठक मे कालुराम आठोडीया, नाथुलाल भारती उपास्थित रहे।

जेएसजी मैत्री ने गौ सेवा कर मनाया नववर्ष, श्री गौतम स्वामी का अवतरण दिवस भी मनाया

जावरा। चैत्र शुक्ल विक्रम संवत् के आरंभ होने का दिन हैं। ब्रह्माजी द्वारा अनंत काल से आज सृष्टि का आरंभ चैत्र सुदी एकम को किया, वहीं से इस धरा पर भारतीय नववर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा विक्रम संवत् 2082 चैत्र नवरात्रि गुड़ी पड़वा एवं अंनत लब्धि निधान श्री गौतम स्वामी का अवतरण दिवस भी हैं। हमारे पुर्वजो ने सिखाया बताया की आज से नये कार्यों का शुभारंभ करते हैं जिससे हमे सफलता मिलती हैं। आज निश्चित रूप से जैन सोश्यल ग्रुप जावरा मैत्री परिवार द्वारा गौ माता का पुजन वंदन कर स्वामीवात्सल्य का आयोजन किया गया यह अनुकरणीय हैं। उक्त विचार जैन सोश्यल ग्रुप इंटरनेशनल फेडरेशन म.प्र. रीजन के उपाध्यक्ष गुरु संदीप रांका द्वारा स्थानीय जीवदया सोसायटी गोशाला पर गो सेवा के दोरान व्यक्त किये। स्वागत भाषण देते हुए ग्रुप के अध्यक्ष आलोक बरैया ने सभी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि पिछले दो वर्षों में जो सहयोग स्नेह अपनत्व जिस उदारता के साथ जो प्यार आप सभी ने दिया। उसके प्रति मन कि असीम गहराइयों से स्वागत अभिनंदन करते हुए आप सभी को धन्यवाद देते हुए दो वर्षों में मेरे द्वारा कुछ कहने में आया हो जिससे किसी का मन दुखी हुआ हो तो सभी से मिच्छामी दुक्कडम करता हूँ। ग्रुप उपाध्यक्ष दिपक मेहता, प्रचार सचिव मनीष धारीवाल ने बताया की ग्रुप के पुर्वाध्यक्ष राजीव लुकड, नितिन लुक्कड, अंकित लुक्कड, रोनक लुक्कड की दादीजी संघ माता रोशन बाई लुक्कड के निधन पर सामुहिक रुप से श्रद्धांजलि अर्पित कर नवकार महामंत्र का पाठ किया गया।

गौ सेवा कर मनाया नववर्ष

आज की गोसेवा स्वामीवात्सल्य का लाभ अभय छजलानी, मनीष धारीवाल, राजीव लुक्कड़, मनीष पोखरना द्वारा लिया गया अंत में स्वल्पाहार का लाभ आलोक बरैया ने लिया। इस दौरान अध्यक्ष आलोक बरैया, पुर्वाध्यक्ष आशीष पोखरना, नवीन अध्यक्ष राजेश पोखरना, दिपक मेहता, मनीष मेहता, संदीप दसेडा, डॉ ऋषि मेहता, अभय काठेड़, आशीष चतर, राहुल छाजेड़, संजय भटेवरा, तरुण टुकड़िया, पुखराज सुराणा, राजेश हिंगड़, रितेश चोपड़ा, शेखर मांडोत, अजय तातेड़, संदीप तलेसरा के साथ नम्रता बरैया, सारिका पोखरना, वर्षा धारीवाल, सोनिया छजलानी, रीना हिंगड़, जया सुराणा, तृप्ति तातेड़ आदि उपस्थित थे। संचालन नवीन अध्यक्ष राजेश पोखरना ने किया।

नववर्ष के अवसर पर शोभायात्रा निकाली गई

चौमहला। भारतीय नववर्ष समारोह समिति के तत्वधान में रविवार को नववर्ष के अवसर पर शोभायात्रा निकाली गई जिसमे चौमहला गंगधार सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

शोभायात्रा सत्यनारायण मंदिर से शुरू हुई जो नगर के मुख्य झंडा चौक,कुंडला रोड,गायत्री मंदिर रोड,सब्जी मंडी आडा बाजार होती हुई श्री राम हनुमान मंदिर पहुंची,शोभायात्रा में डीजे ढोल आकर्षक झाकियां , दुर्गा वाहिनी, घुड सवार, शिव लीला की चलित झाकी, कायावर्णेश्वर की पालकी आर्य वीर अखाड़ा, झण्डा मंडल,शामिल रहे,शोभायात्रा के आगे आगे युवा बाइक पर सवार होकर हाथो में केसरिया ध्वज लिए चल रहे थे इसके पीछे घोड़े पर सवार दुर्गा वाहिनी व महिलाएं चल रही थी।सत्यनारायण मंदिर से प्रारंभ हुई शोभा यात्रा नगर के मुख्य मार्गो से गुजरी रास्ते में जगह जगह विभिन्न धार्मिक सामाजिक संगठनों द्वारा पुष्प वर्षा जलपान कर शोभायात्रा का स्वागत किया, शोभायात्रा में युवा जयकारा करते हुए चल रहे थे,शोभायात्रा में लोग सफेद ड्रेस में साफा बांधकर शरीक रहे। मध्यकाल चलित झाकी के कलाकारों द्वारा उम्दा प्रदर्शन आकर्षण का केंद्र रहा।शोभायात्रा में चेटी चंड के अवसर पर झूलेलाल की झाकी भी शरीक रही सिंधी समाज के महिला पुरुष भजन करते हुए झाकी के साथ चल रहे थे। शोभायात्रा का समापन श्री राम हनुमान मंदिर में महाआरती के साथ हुआ। इस दौरान आयोजन को लेकर पुलिस प्रशासन सतर्क रहा पुलिस उप अधीक्षक जय प्रकाश अटल थाना अधिकारी अमर नाथ जोगी व उनकी टीम और विशेष जाप्ता महिला पुलिस पूरी शोभायात्रा में उपस्थित थी।

पीएम श्री नवोदय विद्यालय आलोट का रिजल्ट घोषित, दुर्विका झंवर स्कूल टॉपर घोषित

जावरा। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय आलोट के प्राचार्य शांतिलाल तेली ने बताया कि नवोदय विद्यालय का कक्षा 6 से 9 एवं 11 वी कक्षा के परिणाम घोषित कर दिए गये हैं, उप प्राचार्य सुचिता खुराना एवं उत्कृष्ट शिक्षकों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों द्वारा शत प्रतिशत रिजल्ट प्रदान किया हैं।

कार्यक्रम में विद्यालय टॉपर दुर्विका झंवर कक्षा 8वी के साथ कक्षा 6 टी से 9 वी तक एवं 11वी कक्षाओं के क्रमशः प्रथम, द्वितीय,तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्राचार्य, उप प्राचार्य एवं कक्षा शिक्षकों द्वारा पारितोषिक वितरण कर प्रमाण पत्र प्रदान किये गये। विद्यालय में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के माता पिता एवं अभिभावकों को विद्यालय परिवार की ओर से बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई।